भारत सरकार
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1533
उत्तर देने की तारीख: 04.12.2024

पूर्वोत्तर क्षेत्र में अल्पसंख्यकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति

1533. डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्र सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में अल्पसंख्यकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के संबंध में कोई विस्तृत अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) धार्मिक अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र को पिछले पांच वर्षों के दौरान आवंटित निधियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) पूर्वोत्तर क्षेत्र में धार्मिक अल्पसंख्यकों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
(श्री किरेन रिजिजू)

(क) जी नहीं।

(ख) अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) के अंतर्गत 1752.02 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) के अंतर्गत 177.28 करोड़ रुपये और छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत 827.03 करोड़ रुपये की धनराशि पूर्वोत्तर क्षेत्र को आवंटित किया है। इसके अलावा, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के पास धार्मिक अल्पसंख्यकों सहित पूर्वोत्तर परिषद की योजनाओं के कुल परिव्यय का 30% फोकस डेवलपमेंट कंपोनेंट (FDS) है, जिसे पूर्वोत्तर राज्यों में वंचित क्षेत्रों, वंचित/उपेक्षित वर्गों के केंद्रित विकास के लिए आवंटित किया जाता है। 2020-21 से 2023-24 की अवधि के लिए उक्त घटक के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र में 842.87 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है।

(ग) जनसंख्या जनगणना में "अल्पसंख्यक" शब्द की पहचान नहीं की गई है, तथापि, 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के लोगों द्वारा अपनाए गए धर्मों पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार डेटा भारत की जनगणना वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है, जो https://censusindia.gov.in पर उपलब्ध है।

*****